उदयपुर, बुधवार 28 अक्टूबर, 2015

# बायो फ्यूल पौधों के उत्पादन की प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण

राजसमंद। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर की ओर से बायोफ्यूल जनित तैलीय पौधों की उत्पादन प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का मंगलवार को शुरू हुआ।

मुख्य अतिथि जिला परिषद् के सीईओ राजेंद्र प्रसाद सारस्वत थे। अध्यक्षता केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. आरपी मीना ने की। सीईओ ने खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर रतनजोत, करंज, महुआ, सीमारुबा, अरंडी उगाकर पंचायतों की आय बढ़ाने की बात कही। सीईओ ने किसानों को सीमारुबा के पौधे वितरित किए। केंद्र की गतिविधियों की भी विस्तार से जानकारी ली।

डॉ. मीना ने बताया कि जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र पर पहली बार सीमारुबा के पौधे तैयार किये गए हैं। कार्यक्रम में बायोफ्यूल ऑथोरिटी के गणपत शर्मा ने योजनाओं की जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्रचार्य एवं परियोजना प्रभारी डॉ. पीसी चपलोत ने जैव ईंधन से संबंधित पौधों के उत्पादन की तकनीकी तथा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कृषि विस्तार उपनिदेशक डॉ. रवींद्र वर्मा तथा आत्मा परियोजना निदेशक दिनेश कुमार जागा ने भी भाग लिया। प्रशिक्षण में जिले के 40 अधिकारियों एवं 10 किसानों भाग नें लिया। कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र, राजसमन्द, प्रसार शिक्षा निदेशालय, उदयपुर एवं बायोफ्यूल अथोरिटी, राजस्थान सरकार, जयपुर के सहयोग से किया गया।